रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 19 नवम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 285 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

शेख हसीना की फांसी की सजा का क्या होगा? अब फैसला दिल्ली के हाथ!

ढाका में गोलियां चलीं सैकड़ों छात्र मारे गए घायल हुए, सरकार गिर गई, प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बांग्लादेश छोड़ दिया और भारत में पनाह ली. अब भारत में रह रहीं शेख हसीना को क्राइम्स अगेंस्ट ह्यूमैनिटी के आरोपों में मौत की सज़ा दी गई है. शेख हसीना को ढाका में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (ICT) ने सज़ा सुनाई है. लेकिन अब सवाल यह है कि क्या भारत उन्हें बांग्लादेश के हवाले करेगा? क्या इस सज़ा का भारत में कोई कानूनी प्रभाव है? क्या UN इस फैसले को मान्यता देता है? और क्या शेख हसीना की जान अब भारत के फैसले पर टिकी है?

पूरा मामला

2024 का छात्र आंदोलन सत्ता का पतन

पिछले साल 2024 में बांग्लादेश सरकार की आरक्षण नीति सुधार के विरोध से शुरू हुआ आंदोलन, सिर्फ 48 घंटों में राष्ट्रव्यापी बगावत बन गया. कुछ रिपोर्टों के मुताबिक, इस आंदोलन में 1,200 से 1,400 के करीब लोगों की मौत हुई, 20,000 घायल हुए, 8,000 से अधिक छात्रों की गिरफ्तारी हुई, और 23 दिन तक सोशल मीडिया ब्लैकआउट रहा अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इसे बांग्लादेश का largest civilian uprising कहा गया. सरकार के दमन अभियान के बाद फिर सेना तटस्थ हो गई और संसद भंग हो गई. हालात बिगड़ते देख, अगस्त 2024 में शेख हसीना देश छोड़कर भारत पहुंचीं. भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने उन्हें ऋणात्मक सुरक्षा कवच (Negative Security Shield) मुहैया करवाई – यानी उनका ठिकाना गोपनीय रखा है, लेकिन सुरक्षा सरकारी मिली है।

ICT-1 का मुकदमा और मौत की सज़ा

17 नवंबर को सजा सुनाते हुए, बांग्लादेश की International Crimes Tribunal-1 (ICT-1) ने तीन अभियोगों का हवाला दियाः प्रदर्शनकारियों पर हवाई हमले की मंजूरी शहरी इलाकों में एयर-टार्गेटिंग ऑपरेशन का आदेश मानवाधिकारों का बड़े पैमाने पर उल्लंघन।

अदालत का निष्कर्ष था

'राज्य के सुरक्षा बलों का इस्तेमाल युद्ध-जैसे अभियान के लिए किया गया, शहरी नागरिक जनसंख्या को दुश्मन के तौर पर चिह्नित किया गया.' अभियोजन पक्ष ने एक कथित कॉल रिकॉर्डिंग पेश की, जिसमें हसीना को यह कहते सुना जाता हैः 'मेरे खिलाफ दर्ज केस मुझे मारने का लाइसेंस देते हैं. ICT-1 ने इसे 'क्राइम्स अगेंस्ट ह्यूमैनिटी' की श्रेणी मानकर सज़ा-ए-मौत दी है 'यह राजनीतिक हटाओ अभियान है, न्याय नहीं इस पर शेख हसीना ने बयान दिया है- 'यह राजनीतिक हटाओ अभियान है, न्याय नहीं. उन्होंने अपने खिलाफ आए मौत की सज़ा के फैसले के बाद यह प्रतिक्रिया दी है।

रिपोर्ट्स और बयानों के मुताबिकः

शेख हसीना, जो वर्तमान में भारत में रह रही हैं, उन्होंने बांग्लादेश के अंतरिम प्रशासन द्वारा स्थापित International Crimes Tribunal-1 को 'पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित' बताया है उन्होंने इसे एक 'कंगारू कोर्ट' और अपनी अवामी लीग पार्टी को राष्ट्रीय चुनावों में भाग लेने से रोकने के लिए 'राजनीतिक अभियान' का हिस्सा बताया है. हसीना ने इस मुकदमे को मान्यता देने से इनकार कर दिया है. यह प्रतिक्रिया उनके और उनकी पार्टी के रुख को दिखाती है कि यह फैसला न्याय पर आधारित न होकर, राजनीतिक प्रतिशोध का नतीजा है क्या बांग्लादेश की मौत की सजा भारत में लागू होती है?

भारत में कानूनी स्थिति स्पष्ट है

विदेशी अदालत की सज़ा भारत में लागू नहीं होती, जब तक भारत की अपनी अदालत उसकी समीक्षा करके उसे स्वीकार न करे मतलबः भारत में बैठी शेख हसीना पर ICT-1 की मौत की सज़ा का कोई प्रभाव नहीं है. क्या UN इस सज़ा को लागू करा सकता है?

ICT-1 एक घरेलू कोर्ट है. UN सिर्फ दो अदालतों के फैसलों को लागू करवा सकता है:

ICC - International Criminal Court

ICJ - International Court of Justice

ICT-1 की जूरीडिक्शन UN-एन्फोर्स्ड नहीं है. इसलिए - UN भारत को शेख हसीना को सौंपने के लिए मजबूर नहीं कर सकता।अगला अध्याय अभी लिखा जाना बाकी है।

सिंहस्थ 2028 के लिए तैयार उज्जैन का ऐतिहासिक

132 केवी ज्योति नगर सबस्टेशन, पांच सिंहस्थों में निर्बाध बिजली देने के बाद अब छठे पर्व की तैयारी तेज

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए उज्जैन की विद्युत पारेषण प्रणाली को और अधिक मजबूत, सक्षम और आधुनिक बनाने की दिशा में व्यापक कार्य जारी हैं। शहर का ऐतिहासिक 132 केवी सबस्टेशन—ज्योति नगर—जो मध्य प्रदेश का पहला 132 केवी सब स्टेशन है, अपनी 65 वर्षों की गौरवपूर्ण तकनीकी यात्रा के साथ अब आगामी सिंहस्थ के लिए नई उन्नत सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। यह सब स्टेशन वर्ष 1960 से लगातार प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क की रीढ़ बना हुआ है और उज्जैन के ऊर्जा तंत्र को मजबूत आधार देता रहा है।

1960 से शुरू हुई अविरल यात्रा- 17 नवंबर 1960 को प्रारंभ हुए इस सबस्टेशन ने पिछले पांच सिंहस्थों में उज्जैन को निर्बाध और सुरक्षित बिजली आपूर्ति प्रदान करके अपनी दक्षता और विश्वसनीयता सिद्ध की है। पूरे क्षेत्र में बड़े धार्मिक आयोजनों के दौरान लाखों लोगों की मौजूदगी और भारी बिजली खपत के बावजूद इस सबस्टेशन ने बिना किसी बड़ी बाधा के आपूर्ति बनाए

रखी, जिससे इसकी तकनीकी क्षमता का प्रमाण मिलता है। अब चौथे दशक में प्रवेश करता यह स्टेशन छठे सिंहस्थ 2028 के लिए आधुनिक तकनीकों के साथ तैयार हो रहा है।

ऊर्जा मंत्री ने दिए उन्नयन के निर्देश- ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि सिंहस्थ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रदेश सरकार ने मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी को निर्देश दिए हैं कि सिंहस्थ 2028 के दौरान उज्जैन में 24×7 निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके लिए सब स्टेशन में व्यापक तकनीकी सुधार, आधुनिकीकरण और सभी आवश्यक उपकरणों के रखरखाव के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। 33 केवी खेड़ापति फीडर की महत्वपूर्ण भूमिका- सिंहस्थ क्षेत्र में बिजली उपलब्ध कराने में इस सबस्टेशन से निकलने वाला 33 केवी खेड़ापति फीडर अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। पांच सिंहस्थों में इस फीडर ने बिजली आपूर्ति का मुख्य भार संभाला है और आगामी सिंहस्थ में भी यह प्रमुख भूमिका निभाएगा।

स्थानीय निकाय चुनावों में

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण

[राहुल रमेश वाघ बनाम महाराष्ट्र राज्य और अन्य] न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने स्पष्ट किया कि राज्य 31 जनवरी, 2026 को होने वाले चुनावों के लिए कुल आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा को पार नहीं कर सकता न्यायालय बंठिया आयोग के निष्कर्षों के आधार पर स्थानीय निकाय चुनावों के लिए एक नया ओबीसी आरक्षण मैट्रिक्स लागू करने के महाराष्ट्र के फैसले से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था।

यह विवाद विकास किशनराव गवली बनाम महाराष्ट्र राज्य मामले में संविधान पीठ के फैसले की पृष्ठभूमि में उत्पन्न हुआ, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय ने पहले के 27 प्रतिशत ओबीसी कोटे को रद्द कर दिया था और स्थानीय निकाय आरक्षण के लिए "त्रिस्तरीय परीक्षण" निर्धारित किया था। उस परीक्षण के तहत, राज्य को निकायवार ओबीसी पिछड़ेपन पर अनुभवजन्य आंकड़े एकत्र करने, उस आंकड़े के आधार पर कोटा तय करने और यह सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित आयोग का गठन करना होगा कि एससी, एसटी और ओबीसी के लिए संयुक्त आरक्षण 50% से अधिक न हो। बाद में महाराष्ट्र ने इस प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए बंठिया आयोग का गठन किया। आयोग की रिपोर्ट और उसके आधार पर संशोधित आरक्षण मैट्रिक्स लागू करने का राज्य का प्रयास अब सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष जांच के दायरे में है।जब इस मामले पर सुनवाई हुई, तो पीठ ने सबसे पहले राज्य से यह बताने को कहा कि नए अधिसूचित आंकड़े संवैधानिक सीमा के भीतर कैसे रह सकते हैं। मेहता ने चुनाव कैलेंडर की तात्कालिकता और चुनाव प्रक्रिया के चरण पर ज़ोर देते हुए जवाब दिया। मेहता ने कहा, "नामांकन कल दाखिल किए जाने हैं।" न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि हालाँकि न्यायालय चुनाव कार्यक्रम के प्रति सचेत है, लेकिन इस आधार पर संवैधानिक ढाँचे को कमज़ोर नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि बंठिया आयोग की रिपोर्ट, जिस पर महाराष्ट्र भरोसा कर रहा है, की पहले न्यायालय द्वारा जाँच की जानी चाहिए।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर धार में भव्य पदयात्रा एवं यूनिटी मार्च का आयोजन कियागया

दिलीप पाटीदार

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर और कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने यूनिटी मार्च को हरी झंडी दिखाई जिला पंचायत अध्यक्ष सरदारसिंह मेढ़ा और एसपी मयंक अवस्थी भी मौजूद रहे धार, ज़िले में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा माय भारत धार के संयुक्त तत्वावधान में भव्य पदयात्रा एवं यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय गौरव की भावना को सुदृढ़ करना, समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना तथा देश की एकता और अखंडता के संदेश को व्यापक रूप से प्रसारित किया है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग, भारत सरकार श्रीमती सावित्री ठाकुर और कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने यूनिटी मार्च को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर परजिला पंचायत अध्यक्ष सरदारसिंह मेढ़ा और एसपी मयंक अवस्थी भी मौजूद रहे। इस आयोजन को विशेष महत्व प्रदान किया गया। जिला युवा अधिकारी दीर्घा राजावत ने बताया कि यह पदयात्रा भारतीय खेल प्राधिकरण, जैतपुरा से 18 नवंबर को सुबह शुभारंभ होकर लाल बाग़ परिसर में संपन्न हुई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा, सामाजिक संगठन और विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागियों के शामिल हुए।

रंजीत टाइम्स के 10 स्वर्णिम वर्ष पूरे-खजराना एसीपी कुंदन मंडलोई ने दी शुभकामनाएं

इंदौर। रंजीत टाइम्स न्यूज़ पेपर ने अपनी सफल और निष्पक्ष पत्रकारिता के 10 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण कर लिए। इस विशेष अवसर पर खजराना एसीपी कुंदन मंडलोई द्वारा रंजीत टाइम्स परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

एसीपी मंडलोई ने अपने संदेश में कहा

"रंजीत टाइम्स ने हमेशा निष्पक्ष, सच्ची और समाजहित की पत्रकारिता को प्राथमिकता दी है। ऐसे प्रयास समाज में विश्वास, जागरूकता और सकारात्मकता का संचार करते हैं।" इस अवसर पर रंजीत टाइम्स टीम ने एसीपी कुंदन मंडलोई को माँ अहिल्या देवी की सुंदर तस्वीर प्रेमपूर्वक भेंट की। यह सौहार्दपूर्ण और भावनात्मक क्षण पत्रकारिता और पुलिस प्रशासन के बीच आपसी सहयोग, विश्वास और मजबूत संबंधों का प्रतीक बना।रंजीत टाइम्स के संपादक सहित समस्त टीम ने एसीपी मंडलोई का आभार व्यक्त करते हुए कहा—"हम समाज की सेवा, सत्य और जनहित के पथ पर निरंतर अग्रसर रहेंगे।"

रंजीत टाइम्स — समाज के साथ, सत्य के पथ पर।

इंदौरः रेणु कैथवास

रणजीत हनुमान मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित दीपेश व्यास जी ने रणजीत टाइम्स के सफलतापूर्वक 10 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

रणजीत टाइम्स

बलात्कारी भूमाफिया की अग्रिम जमानत खारिज

दलित नाबालिग का सफल हुआ अबॉर्शन ऑपरेशन

आदित्य शर्मा

इंदौर साढ़े तीन माह का गर्भ था नाबालिग को बच्ची से मिलने mth हॉस्पिटल पहुंचे दलित नेता मनोज परमार गौरतलब है कि चंदन नगर थाना क्षेत्र का भूमाफिया संजय दुबे जो कि पूर्व में भी कई अपराधों में कई बार जेल जा चुका हैं , ने 16 वर्षीय दलित अनाथ बच्ची के साथ कई बार रेप किया और कई बार उसका गर्भपात कराया ll घटना की जानकारी मिलने पर बच्ची के परिजनों ने 12 नवंबर को थाना चन्दन नगर में अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार के साथ थाने पहुंचकर भूमाफिया संजय दुबे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था ll Fir को बीते 7 दिन हो गए परन्तु आरोपी की गिरफ्तारी अभी तक नहीं हुई, ll आरोपी संजय दुबे द्वारा कल 29वे सत्र न्यायाधीश नौशीन खान की अदालत में अग्रिम जमानत का आवेदन दिया था,

जो कि परिजनों द्वारा आपत्ति लेने पर खारिज कर दिया गया ll वहीं कल शाम को mth हॉस्पिटल में भर्ती नाबालिग बच्ची का सफल अबोर्शन ऑपरेशन डॉ गायत्री मथुरिया द्वारा किया गया ll Mth हॉस्पिटल पहुंचे दलित नेता मनोज परमार ने बताया कि बच्ची अब खतरे से बाहर है बच्ची को अभी होश नहीं आया है डॉ के अनुसार बच्ची को साढ़े तीन माह का गर्भ था l वहीं दलित नेता मनोज परमार ने चेतावनी दी है कि आरोपी संजय दुबे को यदि 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार नहीं किया तो दलित समाज अखिल भारतीय बलाई महासंघ के नेतृत्व में उग्र आंदोलन का करेगा ll

आरोपी संजय दुबे

यात्री बस में लोड किया था लहसुन 5000 का जुर्माना

यातायात पुलिस की बसों पर सघन जाँच जारी

इंदौर शहर के यातायात को सुगम, सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर के सिंह के मार्गदर्शन एवं पुलिस उपायुक्त (यातायात/जोन 4) श्री आनंद कलादगी के निर्देशन में निरंतर यातायात पुलिस द्वारा नियमो का उल्लंघन करने वाली बसों पर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

यातायात के सूबेदार अरुण सिंह एवं लगे हुए बल द्वारा विशेष चेकिंग मुहिम के तहत स्लीपर बसों की गहन जाँच की गई।

चेकिंग के दौरान न्यू बेतवा बस सर्विस की स्लीपर बस को स्टार चौराहा पर रोककर निरीक्षण किया गया। जाँच में पाया गया कि बस में यात्रियों के अलावा लगेज के नाम पर बस के अंदर बने स्लैब पर भारी मात्रा में लहसुन लोड किया गया था, जबकि सवारी का वास्तविक सामान केवल कुछ अटैची, बैग और बाल्टी आदि ही थे। यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए एवं उन्हें असुविधा न हो, इस बात का ध्यान रखते हुए वैधानिक कार्रवाई की गई। बस संचालक द्वारा रजिस्ट्रेशन शर्तों का उल्लंघन करने पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 39/192(1) के तहत मौके पर 5000 रुपये का चालान बनाया गया और बस को आवश्यक निर्देश देकर रवाना किया गया। इंदौर ट्रैफिक पुलिस सभी बस संचालकों से अपील करती है कि वे निर्धारित नियमों का पालन करते हुए केवल अधिकृत सामान ही परिवहन करें, जिससे यात्री सुरक्षा एवं सुविधा बनी रहे।

कविता
"कौन सगा?"

कौन सगा...
हर मोड़ पे मिलेगा दगा,
इस दुनिया में आखिर कौन है तेरा सगा?

जहाँ नेता जनता को दे रहा,
बेटा बाप को दे रहा,
भाई—भाई को दे रहा,
पत्नी—पति को दे रही,
पति—पत्नी को दे रहा...ī

किस पर करे भरोसा यहाँ इंसान,
सबके चेहरे पर हज़ार नक़ाब,
हँसते हैं संग–संग चलते हैं,
पर दिल में रखते अलग हिसाब।

लाभ-नुकसान की इस दुनिया में
रिश्तों का अब मोल लगा,
खून भी यहाँ पानी जैसा—
ना कोई अपना, ना कोई परा।

फिर भी एक सच सीधा-सपाटा,
जितना भरोसा ईश्वर पर,
उतना नहीं है किसी नाते पर भाता।

चल अकेला... पर दिल में रोशनी जगा,
क्योंकि दोस्त वही है जो बिना स्वार्थ
तेरे साथ खड़ा नज़र आ जाए—
बाकी तो बस... हर मोड़ पर दगा ही दगा।

कवि गोपाल गावंडे

सर्व ब्राह्मण युवा संगठन पूर्वी क्षेत्र के संगठन मंत्री पं. मुकेश जी द्विवेदी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

इंदौर । सर्व ब्राह्मण युवा संगठन पूर्वी क्षेत्र के संगठन मंत्री पं. मुकेश जी द्विवेदी का जन्मदिन आज नेमा कुल्फी पर बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर सामाजिक बंधुत्व और ब्राह्मण एकता की मिसाल पेश करते हुए अनेक प्रतिष्ठित सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे-श्री शिव पाराशर जी, मनीष जी शर्मा, राजेश दुबे जी, राजेश मिश्रा जी, प्रवीण जोशी जी, चंदन दवे जी, अमरीश पाराशर जी, संजय शर्मा जी, मनीष यादव जी, अमन श्रीवास्तव जी, सोमेश व्यास जी और रुपेश ठाकुर जी। संगठन के अध्यक्ष श्री राकेश जोशी जी ने पं. मुकेश जी द्विवेदी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके समाजसेवी और संगठनात्मक कार्यों की सराहना की। शुभचिंतकों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर और मिठाई बांटकर परस्पर शुभकामनाएं दीं, तथा पं. मुकेश जी के सुखद, सफल और स्वास्थ्यपूर्ण जीवन की कामना की।

अतीत के बंधन से मुक्त एक आनंददायक जीवन का अंगीकरण ही सहजयोग

वर्तमान को दो ही लोग जीते हैं- योगी या भोगी। भोगी वो हैं जो सिर्फ और सिर्फ सांसारिक सुख के लिए जीते हैं। धन कमाना और विलासी जीवन जीना ही उनका उद्देश्य होता है। कालखंड में यदि समय का विभाजन करें तो सबसे कम समय हम वर्तमान में जीते हैं। वर्तमान को जीते समय भी यदि भूतकाल हावी रहे तो इसे वर्तमान में जीना नहीं कहेंगे। जैसे ही हम वर्तमान में जीना शुरु करते हैं, भविष्य से हम स्वयंमेव ही जुड़ जाते हैं। वर्तमान ही हमारे भविष्य का निर्धारण करता है। भूतकाल की सफलता पर इतराते रहने मात्र से या असफलता पर खीजने से वर्तमान के साथ भविष्य भी दुष्कर हो जाता है। हमारी शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए यदि हम अपना दैनंदिन कार्य करेंगे तब इसे वर्तमान में स्थित होना कहा जायेगा।

वर्तमान में स्थित रहने की कला यदि सीख लें तो हम योगी बनेंगे अन्यथा एक भोगी सा जीवन जीने को विवश होंगे। इसीलिए दार्शनिकों, विद्वानों, साधु-संतों ने कहा है अतीत को छोड़ो, वर्तमान को पकड़ो और भविष्य से अपने आपको जोड़ो। सिर्फ कुछ सालों का नहीं बल्कि जन्म जन्मांतरण के भूतकाल का दुष्प्रभाव हमारे अचेतन में विद्यमान रहता है, जो वर्तमान को बाधित करता है। भूतकाल के प्रभाव या दुष्प्रभाव से कैसे मुक्त हो, यही हम आपको बताना चाहते हैं। भूतकाल को छोड़ पाना सहज योग के माध्यम से बेहद आसान है। हमारे शरीर में स्थित तीन नाड़ियों में बाईं ओर ईड़ा (भूतकाल की नाड़ी), दाहिनी ओर पिंगला (भविष्य की नाड़ी) और मध्य में सुषुम्ना (वर्तमान की नाड़ी) है। इन नाड़ियों को बैलेंस करने में पंचतत्व हमारी मदद करते हैं। पंचतत्व की शक्ति का आभास सहज योग ध्यान से तत्काल हो जाता है। ईड़ा नाड़ी को धरती तत्व संतुलित करता है और हमें वर्तमान में स्थित कर देता है। कैसे? इसे सीखने के लिए हमें आत्मसाक्षात्कार लेना होगा। अतः जल्द से जल्द सहज योग से जुड़े और स्वयं को भूतकाल के बंधन से मुक्त कर एक आनंददायक जीवन अंगीकार करे। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है| अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

बच्ची को एक्सपायरी डेट की वैक्सीन लगाई... पिता ने लापरवाही पकड़ी तो डॉक्टर ने दी जान से मारने की धमकी

खुशब श्रीवास्तव

इंदौर के जूनी इंदौर थाना क्षेत्र के सर्वोदय नगर में मौजूद मातृम हॉस्पिटल में एक मासूम बच्चे को जो रैगुलर वैक्सीन लगाई गई वह एक्सपायर निकली... जब पिता को इसकी जानकारी लगी तो डॉक्टर से सवाल किए गए... डॉक्टर ने गलती मानने की बजाय बच्ची के पिता को ही जान से मारने की धमकी दे डाली... खबरों के मुताबिक, यह लापरवाही अस्पताल के डॉक्टर हिमांशु अग्रवाल की देख-रेख में हुई...

जब बच्ची के पिता राहुल ठाकुर अपनी पत्नी और ढाई महीने की बच्चे को रैगुलर वैक्सीनेशन कराने हेतु ले गए तब यह लापरवाही सामने आई... जब डॉक्टर से सवाल किया तो डॉक्टर ने ना सिर्फ राहुल व परिजनों से बदसलूकी की, बल्कि जान से मारने की धमकी भी दे डाली... राहुल ठाकुर ने डॉ. अग्रवाल पर जूनी इंदौर थाने में प्रकरण भी दर्ज करवया है... उधर पुलिस भी मामले को खंगालने में जुट गई... यह भी बड़ी लापरवाही है कि मासूमों की जान से खिलवाड़ करते हुए निजी अस्पताल एक्सपायरी डेट की वैक्सीन इस्तेमाल कर रहे हैं, जिन पर सख्त से सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है..!

रंजीत टाइम्स के 10 वर्ष पूरे होने पर परिवाहन अधिकारी प्रदीप शर्मा ने दी शुभकामनाएं

इंदौर। रंजीत टाइम्स न्यूज़ पेपर ने अपनी सफल और निष्पक्ष पत्रकारिता के 10 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण कर लिए। इस विशेष अवसर पर RTO परिवाहन अधिकारी प्रदीप शर्मा द्वारा रंजीत टाइम्स परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

"रंजीत टाइम्स ने हमेशा निष्पक्ष, सच्ची और समाजहित की पत्रकारिता को प्राथमिकता दी है। ऐसे प्रयास समाज में विश्वास, जागरूकता और सकारात्मकता का संचार करते हैं।" इस अवसर पर रंजीत टाइम्स टीम ने परिवाहन अधिकारी प्रदीप शर्मा को माँ अहिल्या देवी की सुंदर तस्वीर प्रेमपूर्वक भेंट की। यह सौहार्दपूर्ण और भावनात्मक क्षण पत्रकारिता विश्वास और मजबूत संबंधों का प्रतीक बना। रंजीत टाइम्स के संपादक सहित समस्त टीम ने परिवाहन अधिकारी प्रदीप शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा—"हम समाज की सेवा, सत्य और जनहित के पथ पर निरंतर अग्रसर रहेंगे।"

खनियाधाना पुलिस द्वारा मृतक को प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिये मजबूर करने के अपराध क्रमांक 480/2025 मे फरार आरोपी प्राणसिहं कुशवाह को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया

दीपक परमार

दिनांक 17.09.2025 को सूचनाकर्ता धनीराम कुशवाह पुत्र बाबूलाल कुशवाह उम्र 45 साल निवासी ग्राम देवखो थाना खनियाधाना ने थाना उपस्थित आकर सूचना दी कि मै जाते हुये देखा कि मेरे चचेरे भाई रामसेवक पुत्र कपूरचन्द कुशवाह उम्र 35 साल निवासी ग्राम देवखो थाना खनियाधाना ने गांव के बाहर सरकारी मिडिल स्कूल के पीछे आम के पेड पर रस्सी से फांसी लगाकर लटका हुआ है। उक्त सूचना पर मर्ग क्रमांक 54/2025 धारा 194 बीएनएसएस का कायम कर जांच मे लिया गया। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन, श्री संजीव मुले अति.पुलिस अधीक्षक शिवपुरी तथा श्री प्रशांत शर्मा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनुभाग पिछोर के मार्गदर्शन मे की गई जांच पर से पाया गया की मृतक रामसेवक कुशवाह पुत्र कपूरचन्द कुशवाह उम्र 35 साल निवासी ग्राम देवखो एवं प्राण सिंह कुशवाह पुत्र गुलाब सिंह उम्र 30 साल और खिन्दू राजा उर्फ गजेन्द्र राजा चौहान पुत्र हनुमंत सिंह राजा चौहान निवासीगण ग्राम देवखो द्वारा प्रताड़ित करने से मृतक रामसेवक कुशवाह के द्वारा आत्महत्या करना पाया गया। मर्ग जांच पर से अपराध क्रमांक 480/2025 धारा 108, 3(5) बीएनएस का कायम कर विवेचना मे लिया गया दौराने विवेचना आरोपी प्राण सिंह कुशवाह को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय खनियाधाना पेश किया गया। जेल वारंट प्राप्त होने पर उप जेल पिछोर दाखिल किया गया।

कार्यक्रम स्कूल का... और दिक्कत भुगते आम जनता!

दीप्ति कॉन्वेंट में 'क्लोरिस 2025' के नाम पर सड़क बनी पार्किंग, शहरवासी रहे त्रस्त

सूर्या परमार

शुजालपुर दीप्ति कॉन्वेंट स्कूल में CHLORIS 2025 – Felicitation to Archbishop & Kids' Day का आयोजन तो बड़े शान से किया गया, लेकिन उसकी कीमत पूरे शहर को सड़क पर चुकानी पड़ी। स्कूल के अंदर विशाल ग्राउंड और पर्याप्त पार्किंग की सुविधा मौजूद होने के बावजूद, कार्यक्रम में आए पालकों के वाहनों को अंदर प्रवेश नहीं दिया गया। नतीजा यह हुआ कि पूरी सड़क को ही पार्किंग बना दिया गया। अंदर कार्यक्रम, बाहर जाम—और सबसे ज्यादा कष्ट आम जनता ने झेला। जिस कार्यक्रम का आनंद स्कूल और मेहमानों ने लिया, उसकी अव्यवस्था का दर्द उन लोगों ने महसूस किया जो सड़क पर फंसे रहे। कई वाहन चालक जाम में उलझे रहे और राहगीरों को निकलने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्थानीय नागरिकों का सवाल सीधा है जब अंदर इतना बड़ा मैदान है, तो सड़क पर वाहन क्यों खड़े करवाए?

लोगों ने यह भी कहा कि कार्यक्रम का श्रेय स्कूल ले गया और परेशानियाँ शहरवासियों के हिस्से आ गईं। अब शहर में चर्चा यही है कि भविष्य में ऐसे आयोजनों के लिए स्कूल प्रबंधन या तो व्यवस्था सुधारे... वरना कार्यक्रम कम और परेशानी ज्यादा होगी।

इंदौर बायपास बना मौत का सौदागर ?

नौकरशाह और महापौर चुप्पी साधे बैठे हैं !

इन्दौर : महाजाम जैसे हालात रोजाना बाईपास और रिंग रोड पर देखने को मिलेंगे पुलिस के कारण और भी वहां पर जाम लग जाता है यहाँ से निकलनाएक बहुत बड़ा टास्क है जो की यहां का रहवासी आए दिन करता है । यहाँ इतनी जगह नहीं रहती की एंबुलेंस निकल जाए ! शहर भले देशभर में सबसे स्वच्छ शहर का तमगा लिए हुए हो। लेकिन शहरी सीमा हो या फिर रिंगरोड या फिर बायपास। हर तरफ महाजाम जैसे हालात आसानी से देखे जा सकते हैं। हर जगह वाहन चालक आपस में गुत्थम गुत्था होते रहते हैं। सबसे ज्यादा खराब हालात शाम चार से रात नौ बजे तक हो जाते हैं। इस दौरान शहरी सीमा की सड़के वाहनों से पटी रहती हैं। तो रिंगरोड और बायपास जैसी सड़कों पर वाहन चालकों का दम निकल जाता हैं। महाजाम जैसे हालातों में वाहन रेंग भी नहीं सकते हैं। घंटों तक वाहन चालक परेशान होते रहते हैं। लेकिन शहर के जनप्रतिनिधि मात्र जनता को ढांढस बांध देते हैं वहीं दूसरी तरफ प्रशासनिक और पुलिस अमला मात्र कार्यवाही करते हुए इतिश्री कर लेते हैं। मगर किसी के पास दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही जाम की समस्याओं का किसी के पास कोई स्थाई उपचार नहीं हैं।

ई रिक्शा, ऑटो, आई बस, सुविधा की बजाय बनी दुविधा

पर्यावरण को देखते हुए शहरी सीमा में ई रिक्शा, ई ऑटो, आईबस जैसे सार्वजनिक परिवहन की शुरुआत तो कर दी गई। लेकिन इन में ई रिक्शा और ई ऑटो जैसे साधन सुविधा की बजाय शहर

की जनता के दुविधा और परेशानी की वजह साबित हो रहे हैं। MG रोड, जवाहर मार्ग, रेलवे स्टेशन, सहित राजवाड़ा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में इनकी दादागिरी बद इंतजामी से हर कोई दुखी हैं। क्योंकि ई रिक्शा और ऑटो चालक कहीं भी घुस जाते हैं। जिसकी वजह से यातायात बहुत बुरी तरह प्रभावित होता हैं। बायपास अधूरे कार्य, गड्ढे, और कटी फटी सड़के। बायपास पर NHAI द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों की वजह से बायपास पर वाहन चलाना आसान नहीं हैं। क्योंकि अधूरे कार्य, खराब सड़के, सड़को पर गड्ढे और कटी फटी सड़के कभी भी दुर्घटना को आमंत्रित करते रहते हैं।

रिंगरोड उपनगरीय, अन्य बसों का कब्जा

इधर शहर का पश्चिमी रिंगरोड हो या पूर्वी रिंगरोड हर जगह उपनगरीय, अन्य लंबी दूरी की बसों का कब्जा जमा हुआ हैं। उक्त बसें कहीं खड़ी हो जाती है। मुख्य सड़को पर पार्किंग हो जाती हैं। उक्त बस संचालकों के आपसी विवाद, सवारियों की जद्दोजहद की वजह से शहर का वाहन चालक परेशान होता रहता हैं। इस दौरान कई बार हादसे भी हो चुके हैं। लेकिन इसके बावजूद भी जिम्मेदार हमेशा औपचारिकता वाली कार्यशैली अपनाते हुए अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर लेते हैं।

कैश-फॉर-क्वेरी विवाद में महुआ मोइत्रा ने सीबीआई के आरोपपत्र के लिए लोकपाल की मंजूरी के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने कथित पूछताछ के लिए नकदी मामले में आरोपपत्र दाखिल करने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को मंजूरी देने के लोकपाल के आदेश को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। मोइत्रा की याचिका मंगलवार को न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। 12 नवंबर को पूर्ण पीठ के फैसले में, लोकपाल ने लोकपाल अधिनियम की धारा 20(7)(ए) और धारा 23(1) के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए सीबीआई को चार सप्ताह के भीतर आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति दी और एक प्रति लोकपाल को सौंपने का आदेश दिया। यह मामला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे के आरोपों से उपजा है कि मोइत्रा ने संसदीय प्रश्न उठाने के बदले दुबई स्थित व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से नकद और आलीशान उपहार स्वीकार किए थे।

लोहा मंडी वाले रूट पर लगने वाले जाम से व्यापारी राहगीरों को हो रहीं हैं आवाजाही में परेशानियां

बात की जाए तो लोहा मंडी क्षेत्र की तो यहां आए दिन लंबा ट्रैफिक जाम लगता है। बड़े ट्रक अतिक्रमण इन कारणों की वजह से लंबा ट्रैफिक जाम लगता है। ए दिन इस रूट पर कंस्ट्रक्शन का काम कई सालों से चल रहा है। उड़ने वाली धूल भी वाहन चालकों और इस क्षेत्र में रहने वाले रहवासियों को बहुत ज्यादा परेशान करती है । इस क्षेत्र का मुआयना भी किया गया है ,जूनी इंदौर, अग्रसेन चौहान, इस तरफ से आने वाले वाहनों कारण ही लंबा ट्रैफिक जाम लगता है। यात्री परेशान होते हैं।

मुरैना में जहरीली शराब से 24 लोगों की मौत, कोर्ट ने 14 आरोपियों को सुनाई 10 साल की सख्त सजा

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में जनवरी 2021 में जहरीली शराब पीने से हुई 24 लोगों की मौत के मामले में 14 लोगों को दोषी पाया गया है। सोमवार को स्थानीय कोर्ट ने दोषियों को दस-दस साल की सजा सुनाया। साथ ही दोषियों पर 17.73 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। बता दें कि इस मामले में 15 लोगों को पुलिस ने आरोपित बनाया है। इसमें एक नाबालिग है। उस समय जहरीली शराब पीने से 28 लोगों की मौत की बात सामने आई थी लेकिन पुलिस ने केस डायरी में जहरीली शराब से 24 लोगों की मौत का जिक्र किया है। शासन की ओर से पैरवी करने वाले सहायक जिला अभियोजन अधिकारी प्रवीण सिंह सिकरवार ने बताया कि 11 दोषियों पर 1.32 लाख के मान से 14.52 लाख रुपये का जुर्माना किया गया है। तीन दोषियों पर 1.7 लाख रुपये के मान से 3.21 लाख का जुर्माना कोर्ट ने लगाया है।

आतंकवाद नहीं, जिहादी हिंसा... राजनीतिक-बौद्धिक वर्ग को तथ्य-आधारित समझ की आवश्यकता

कई दशकों से जिहादी हिंसा पर इस कहावत के उलट काम किया जा रहा है कि जहां काम आवे सुई, कहां करे तलवार। जो काम सुई का है, वैचारिक-शैक्षिक संघर्ष का है, उसे तलवार, सैन्य-प्रहार आदि से हराने की कोशिश हो रही है। लोकतांत्रिक विश्व आत्म-प्रवंचना में है। लिहाजा आतंक बरपाने वाले नए-नए दस्ते, संगठन, सरगना इसलिए आते रहते हैं, क्योंकि उन्हें मौत का, तलवार का भय ही नहीं है। केवल तलवार उन पर निष्फल भी रहती है। जिसे आतंकवाद कहा जाता है, उसे आतंकी खुद जिहाद कहते हैं और अपने को मुजाहिदीन। भारत में एक संगठन का नाम ही इंडियन मुजाहिदीन था।

इसने लखनऊ, वाराणसी, जयपुर, दिल्ली, मुंबई आदि शहरों पर अनेक बम-विस्फोट किए, जिनमें सैकड़ों नागरिक मारे गए। जिहाद की संज्ञा भारत में सैकड़ों वर्षों से बार-बार गूंजती रही है। गजनवी से लेकर बाबर जैसे बड़े-बड़े हमलावरों, सुल्तानों, बादशाहों तथा मौदूदी, इकबाल जैसे बड़े-बड़े आलिमों के मुंह और कलम से। फिर भी हमारा राजनीतिक-बौद्धिक वर्ग जिहाद पर चुप रहता है। वह उससे मुकाबला कैसे कर सकता है, जिससे आंख मिलाकर देखने में भी उसे संकोच है?

यदि मुजाहिदीनों द्वारा की गई हिंसा और आतंक का मुकाबला करना है तो वास्तव में जिहाद का सामना करना होगा। उसे उग्रवाद, आतंकवाद, विकृति आदि नाम देना झूठे उपायों की ओर ले जाता है। इसे अफगानिस्तान-पाकिस्तान में अमेरिकी विफलता में बड़े पैमाने पर देख सकते हैं। एक संगठन के बाद, दूसरे पैदा हो जाते हैं। एक सरगना के बाद दूसरा आ जाता है। एक भारतीय इमाम ने कहा था, एक ओसामा मरेगा, तो सौ पैदा होंगे। जिस विश्वास से उन्होंने ऐसा कहा था, उस पर विचार और चोट करनी चाहिए तब समाधान मिलेगा। जिहाद से अनजान लोग ही जिहादियों का सबसे बड़ा कवच हैं।

जिहाद का सिद्धांत मानवता को दो हिस्से में बांटकर देखता है-इस्लाम मानने वाले और नहीं मानने वाले। इसी से इस सिद्धांत की दोहरी नैतिकता बनती है। मुस्लिम के साथ एक व्यवहार और काफिरों के साथ दूसरा। इसी से 'दारुल-इस्लाम' (जहां मुसलमानों का शासन हो) और 'दारुल-हरब' (जहां काफिरों का शासन हो) की धारणा है। इसी कारण यहूदियों से कहा गया था कि सारी दुनिया केवल मुसलमानों के लिए है और वे जान बचाने को इस्लाम कबूल करें। यही दावा राजनीतिक इस्लाम है और इसे लागू करने की गतिविधि जिहाद है। इतिहास को झुठलाने की मांग करने से लेकर सब पर शरीयत लादने, हलाल थोपने तक उसके असंख्य शांतिपूर्ण रूप हैं। जिहाद सर्वमुखी युद्ध है। सहीह बुखारी में जिहाद संबंधी दो प्रतिशत हदीस कुछ कामों को जिहाद के बराबर बताते हैं, किंतु बाकी 98 प्रतिशत हदीस हथियारबंद हिंसा से संबंधित हैं। हथियारबंद जिहाद ने ही राजनीतिक इस्लाम को सारी सफलता दी है। भारत के विगत हजार वर्ष में इसे असंख्य बार होता देख सकते हैं। मोहम्मद बिन कासिम के सिंध पर हमले से लेकर मुस्लिम लीग के डायरेक्ट एक्शन, पाकिस्तान बनने और कश्मीर से हिंदुओं के सफाए तक यदि कोई शब्द और कर्म समान मिलता है तो वह है जिहाद और हिंसा। जिहाद में एक पूरी मानसिकता और जीवनशैली है। जिहाद के बारे में प्रामाणिक जानना चाहिए। विशेषकर उन्हें, जिनके विरुद्ध जिहाद का स्थाई आह्वान है और जो इसे सदियों से झेल रहे हैं। बाबर ने भी जिहाद ही लड़ा था। 'बाबरनामा' में भारत पर हमले को जिहाद कहा गया है। बाबर ने खुद को फख्र से 'गाजी' यानी जिहाद लड़ने वाला कहा था। बाबर से लेकर इंडियन मुजाहिदीन तक उन्हीं स्रोतों को अपना मार्गदर्शक मानते हैं, जो मूल इस्लामिक स्रोत हैं। उनके सभी विश्वास, प्रेरणाएं, आदर्श इन्हीं से निःसृत होते हैं। इसीलिए राजनीतिक इस्लाम का रिश्ता बाकी दुनिया से जिहाद या अस्थाई शांति का है। उसके सिद्धांत में कोई तीसरी स्थिति नहीं बताई गई है।

जिहादियों को आतंकवादी कहना अपने को भरमाना है। हमारे राजनीतिक-बौद्धिक वर्ग को तथ्य-आधारित समझ की आवश्यकता है। तब साफ दिखेगा कि जिहाद का सिद्धांत किन-किन बिंदुओं पर कमजोर है, वहीं पर उसे चुनौती देकर हराया जा सकता है। जिहाद को हराना मुख्यतः विचार एवं शिक्षा का क्षेत्र है। इस्लामी दावों, सिद्धांतों का खुला, वैज्ञानिक परीक्षण करके खंडन करना तथा सारी बातें शिक्षा और मीडिया के माध्यम से घर-घर पहुंचाना। इसके प्रति काफिरों की गफलत में ही जिहादी आतंक रूपी तोते की जान छिपी है। राजनीतिक इस्लाम के प्रति सबका भ्रमित रहना ही जिहाद की ताकत है। इसे इस्लामी नेता बखूबी जानते हैं। इसीलिए अमेरिकी मिसाइलों से ज्यादा तसलीमा नसरीन जैसी लेखिकाओं से डरते हैं। वे काफिरों को भ्रमित रखने के लिए दोहरी नैतिकता के अपने सिद्धांत का प्रयोग करते हैं। उन्हें इस्लामी दावों का झूठा, मीठा अर्थ बताते रहते हैं, जो मुसलमानों को बताए गए अर्थ से भिन्न होता है। इस छल के लिए भी उनके पास एक शब्द है, 'तकिया'। सहीह बुखारी में कहा गया है, ''जिहाद छल है (4:52:268)''-जिहाद इज डिसीट।

मुस्लिम ब्रदरहुड संगठन ने पूरी दुनिया में मिथ्या-प्रचार का व्यवस्थित वैचारिक तंत्र चला रखा है। जिसमें वे काफिर, जिहाद, दारुल-हरब, जिम्मी, हलाल, शरीयत आदि के बारे में झूठे तर्क फैलाते हैं, ताकि गैर-मुस्लिम सरकारें, बुद्धिजीवी, मीडिया आदि अनजान रहें, बल्कि इस्लामियों का बचाव भी करें। जब भी कोई सच बात रखी जाती है तो इस्लामी नेता नाराजगी दिखाते हैं। उसे इस्लाम को बदनाम करना कहकर, धमकी देकर बंद करवाया जाता है, जबकि ठीक वही बात सारे मुजाहिदीन ठसक से कहते हैं। रिलीजन इस्लाम का बहुत छोटा अंश है, उससे काफिरों को कोई फर्क नहीं पड़ता। इस्लामी मतवाद का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा राजनीतिक है, जिससे काफिर गाफिल रहते हैं। फलतः जिहाद की मानसिकता अबाधित रहती है। उसे हराना ही असली कर्तव्य है। वह मुख्यतः शैक्षिक कार्य है। इसीलिए जिहादी आतंक से लड़ाई मुख्यतः तलवार की नहीं, सुई की है।

बाड़मेर-जालोर- जालोर, बाड़मेर और एएनटीएफ की एनडीपीएस एक्ट में बड़ी कार्रवाई

ओमप्रकाश

बाड़मेर-जालोर और एएनटीएफ टीम की अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 2.5 करोड़ की एमडी और स्मैक बरामद, 2 आरोपी गिरफ्तार।

राजस्थान पुलिस ने अलग-अलग जगह कार्रवाई कर अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले वांछित आरोपी सहित एक अन्य आरोपी को 1.077 किलोग्राम एमडी और 762 ग्राम स्मैक की बरामद। जालोरः- जालोर जिले की करड़ा पुलिस एवं एएनटीएफ टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कुल 1.077 किलोग्राम मैफाडोन(मोली) और 762 ग्राम स्मैक(मार्फिन) जिसकी बाजार कीमत करीब 2.5 करोड़ रूपये आंकी जा रही है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आईजी विकास कुमार के मुताबिक़- एमडी और स्मैक सप्लायर सुरेश कुमार पुत्र मोहनलाल बिश्नोई निवासी सेड़िया जिला जालोर दसवीं कक्षा में फेल होने के बाद सूरत, गुजरात में एसी, फ्रीज़ के रिपेयरिंग का काम करने लग गया था। इसके बाद सुरेश ने यह काम छोड़कर हीरे घिसाई का काम करने गया।

अपने चाचा के सम्पर्क में आकर हीरे घिसाई का काम छोड़ बना तस्कर- आरोपी सुरेश कुमार अपने चाचा बुद्धराम के संपर्क में आकर एमडी, हेरोइन और स्मैक का काम करने लग गया। ड्रग्स लाकर युवाओं और

आसपास के इलाकों में सप्लाई करने लगा। छोटी मात्रा मे शुरू की ड्रग्स सप्लाई को बड़े पैमाने पर शुरू कर दी।

नाइजीरिया से मंगवाने लगा ड्रग्स- विकास कुमार ने बताया- सुरेश पहले एमडी, हेरोइन और स्मैक स्थानीय मांग के अनुरूप सप्लायर से संपर्क करता था। एमडी, हेरोइन व स्मैक की मांग ज्यादा होने के कारण नाईजीरिया से भी एमडी, हेरोइन व स्मैक मंगवाता था। हवाला के जरिए ड्रग्स की खरीद-फरोख्त करता था।

रिश्तेदार ने पकड़वाया- सुरेश कुमार हीरा घिसाई का धंधा छोड़ने के बाद आराम का जीवन जीने लगा। सुरेश की लाइफस्टाइल को देखकर रिश्तेदार ने उसके धंधों के बारे में जानकारी जुटाई और एएनटीएफ को उसकी जानकारी दी। इसके बाद उसे पकड़ा गया। बाड़मेर में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) ने एक शातिर तस्कर को पकड़ा है। तस्कर के घर वालों ने उसकी एक्सीडेंट में मरने की अफवाह फैला दी थी। एक साल पहले फरारी के दौरान आरोपी ने गुजरात में अपनी नेपाली दोस्त सीमा उर्फ भूरी डॉन से शादी कर ली थी। नेपाली की तरह कपड़े भी पहनने लगा। अपने घर में नेपाली रिश्तेदार बनकर आता-जाता था। शक होने पर पुलिस ने निगरानी शुरू की तो मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद 25 हजार रुपए के इनामी तस्कर रामस्वरूप पुत्र देरामाराम निवासी विश्नोईयों का तला खारा रामसर को ANTF ने सूरत (गुजरात) से डिटेन किया।

आईजी विकास कुमार ने बताया- आरोपी रामस्वरूप 8वीं तक गांव में पढ़ाई की। नवीं से बारहवीं तक गुजरात में पढ़ाई की। डीजे साउंड का काम किया, लेकिन कोविड लॉकडाउन से डीजे का काम नहीं चल सका। कोविड में रामस्वरूप अपने परिचित प्रवीण चौधरी निवासी सिणधरी बाड़मेर के संपर्क में आकर एमडी ड्रग्स तस्करी का काम शुरू की। साल 2024 में प्रवीण चौधरी पुलिस थाना कोतवाली में एनडीपीएस मामले में पकड़ा गया। उस मामले में रामस्वरूप भी शामिल था। उसके बाद से ही रामस्वरूप गांव छोड़कर वापस सूरत गुजरात आ गया। वहां पर ट्रांसपोर्ट का काम करने लगा।

पहचान छुपाने के लिए नेपाली लड़की से की शादी- रामस्वरूप ने गुजरात में साथ पढ़ने वाली नेपाली दोस्त सीमा उर्फ भूरी डॉन से समाज व गांव से रिश्ता तोड़कर सूरत में ही शादी कर ली। पुलिस आरोपी की टोह लेने घर पर जाती तो उसके परिजन रामस्वरूप के सड़क हादसे में मरने की अफवाह फैलाने का प्रयास करते। लेकिन, सबूत के तौर पर कोई रिकॉर्ड नहीं दिखा पाते थे।

पत्नी के साथ बाड़मेर आया तो इनपुट मिला- कुछ माह पहले तस्कर अपनी पत्नी के साथ बाड़मेर स्थित घर आकर रुका। ये लोग रिश्तेदार बनकर आए थे। ऐसे में, पुलिस को शक हुआ तो निगरानी रखनी शुरू की। तब उसके नेपाल में संपर्क और ड्रग्स की तस्करी की जानकारियां और महत्वपूर्ण इनपुट हाथ लगे। फिर टीम ने सूरत में जाल बिछाकर आरोपी रामस्वरूप को पकड़ लिया।

जन्मदिन की
अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिएः 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

आत्मसाक्षात्कारी व्यक्तियों की बुद्धि तीव्र व श्रेष्ठ हो जाती है

सहजयोग श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रतिस्थापित एक जीवंत वैज्ञानिक प्रक्रिया है जिसका आधार कुंडलिनी जागरण तथा ध्यान की सनातन संस्कृति है। श्री माताजी द्वारा इसे स्वयं अपनी पुस्तक सहजयोग में इस प्रकार वर्णित किया गया, कुण्डलिनी जब उठती है तो व्यक्ति अपने सिर के तालू भाग में सहज ही, शीतल लहरियों के बहाव को अनुभव कर सकता है। स्वयं ही मनुष्य को अनुभव करना होता है और स्वयं ही प्रमाणित करना होता है। इन शीतल लहरियों को व्यक्ति अपने चहुं ओर भी अनुभव कर सकता है। परमात्मा के प्रेम की सर्वव्यापक शक्ति द्वारा ही यह शीतल हवा प्रकट की गई है। जीवन में पहली बार मनुष्य इस सूक्ष्म दैवी शक्ति के अनुभव का - वास्तवीकरण का परिचय प्राप्त करता है। परंतु सर्व साधारण भाषा में हम कह सकते हैं कि अभी सम्बन्ध स्थापित नहीं हुआ। इसे स्थापित करना है, पर

माली को अब इस कोमल पौधे की देखभाल करनी होगी। इसी प्रकार साधक को आरम्भ में अपने आत्म साक्षात्कार को संभालना होता है। कुछ लोग अत्यंत आसानी से गहनता पा लेते हैं, पर कुछ छः सात महीने करने पर भी पूरी तरह ठीक नहीं होते। ऐसी अवस्था में आवश्यक है कि सहज योग की ज्ञान विधियों तथा इनके अभ्यास द्वारा व्यक्ति यह जान ले कि समस्या कहां पर हैं।

इस प्रकार मनुष्य गुलामी की जंजीरों से स्वतंत्र हो जाता है। इसके बाद किसी गुरु द्वारा मार्गदर्शन की आवश्यकता नहीं रह जाती। सहायता के लिए अंधेरे में न टटोलता हुआ, व्यक्ति अब अपना स्वामी, अपना गुरु बन जाता है। मनुष्य पूर्णतया स्वतंत्र हो जाता है। सहज योगी को कोई न तो भयभीत कर सकता है और न ही चालाकी से प्रभावित सहज योग में लोग बहुत से सम्प्रदायों, धर्मों, संस्थाओं तथा विचारधाराओं से आते हैं पर सब पूर्व- बन्धन मुक्त हो जाते हैं। सहज योग में साक्षात्कार पाने के बाद व्यक्ति को कोई भी बंधन में नहीं फंसा सकता। यह स्वतंत्रता अति सुन्दर है। शनैः शनैः व्यक्ति पक्षी की तरह स्वयं ही उड़ना सीख लेता है और जब तक मनुष्य इसमें पारंगत नहीं हो जाता और ईश्वरत्व के विषय में सब कुछ जान नहीं लेता वह उड़ता ही रहता है। सहज योग में आने के बाद, दूसरे लोगों की तुलना में, व्यक्तित्व इतना निखरता है और विवेक बुद्धि इतनी तीव्र तथा श्रेष्ठ हो जाती है कि दूरदर्शन उद्यमी झूठे गुरु, पथभ्रष्ट करने वाली आधुनिक विधियां, कुछ भी आपके उद्यमी, मस्तिष्क को धर्मपथ से भटका नहीं सकता।.....एक सहज योगी अपनी तथा अन्य सहज योगियों की स्वतंत्रता का आनन्द लेता है। अपनी शक्तियों से वह परिचित है तथा स्वयं का उसे ज्ञान है। एक स्वतंत्र, शक्तिशाली संत बनकर वह देवतुल्य जीवन व्यतीत करता है। सहजयोग की जानकारी टोल फ्री नं – 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

पुलिस कमिश्नर इंदौर ने पुलिसिंग के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर, महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले 18 पुलिस अधिकारी/ कर्मचारियों को किया सम्मानित

पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार से पुरस्कृत कर, की उनके कार्यो की सराहना

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में आम नागरिकों के लिए बेहतर पुलिसिंग को ध्यान मे रखते हुए, इसके लिए अच्छे कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों के उत्साहवर्धन हेतु पुलिस कमिश्नर इंदौर के निर्देशन मे साप्ताहिक कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसके तहत ऐसे अधिकारी/ कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जा रहा है, जिन्होंने पुलिसिंग के अपने कर्तव्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया हो। साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम के अंतगर्त आज दिनांक 18.11.25 को पलासिया स्थित कार्यालय में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य करने वाले निम्न 18 पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र व नगद पुरुस्कार से सम्मानित कर बधाई दी और उन्हें आगे भी ऐसे ही बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अप./मुख्या.) श्री आर के सिंह सहित उपस्थित अन्य पुलिस अधिकारियों ने भी पुरुस्कृत पुलिसकर्मियों के कार्य की सराहना कर उनका हौसला बढ़ाया।

पुरुस्कृत पुलिसकर्मी-

उनि रचना परमार थाना आजाद नगर- ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस थाना आजाद नगर के प्रकरण मे अपहृता को दस्तयाब करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर।

उनि सुरेंद्र मेहता थाना गांधीनगर- ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस थाना गांधीनगर के गुमशुदगी के प्रकरण में दस्तयाब करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर।

उनि रुपाली श्रीवास्तव थाना एरोड्रम- ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस थाना एरोड्रम के गुमशुदगी के प्रकरण में दस्तयाब करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर।

कार्य.प्रआर 1089 ब्रिजेश खिची, कार्य.प्रआर 3327 नरेश चौहान, कार्य. प्रआर 1948 अजित यादव, आर 131 एजल सिंह गुर्जर, आर 3583 प्रदीप सूर्यवंशी थाना खजराना- अंधे कत्ल का पर्दाफाश कर आरोपी को गिरफ्तार करने में सराहनीय भूमिका पर।

सउनि जगन्नाथ सिंह, प्रआर 185 सूबेदार सिंह थाना सेंट्रल कोतवाली- वाहन चेकिंग के दौरान संदिग्ध वाहन चालकों को चेक करते हुए वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करने व मश्रुका जप्त करने में सराहनीय भूमिका पर।

आर 3713 अनुराग सिंह, आर 3763 कृष्णचंद्र शर्मा, आर 1127 अरुण माथुर थाना व्दारकापुरी, आर 2570 गौरव परमार कार्यालय पुलिस उपायुक्त जोन 4 - 325 ग्राम सोने की ठगी के मामले मे आरोपियो को गिरफ्तार करने में माल मश्रुका जप्त करने मे सराहनीय भूमिका पर।

प्र आर 786 विनोद शर्मा कार्यालय आसूचना नगरीय इंदौर - थाना हीरानगर के अंधे कत्ल मे फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सराहनीय भूमिका पर।

उनि अमित कटियार थाना अपराध शाखा - अवैध मादक पदार्थ 25.39 ग्राम एमडी ड्रग्स जप्त करने व आरोपी को गिरफ्तार करने में सराहनीय भूमिका पर।

कार्य. सउनि मंगलेश्वर बघेल थाना अपराध शाखा - आर्म्स एक्ट के प्रकरण मे 10 हजार रुपये के फरारी ईनामी आरोपी को गिरफ्तार करने में सराहनीय भूमिका पर।

आर 2307 मुकेश यादव थाना अपराध शाखा - अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर 55.85 ग्राम जप्त करने व आरोपी को गिरफ्तार करने में सराहनीय भूमिका पर।

पीथमपुर में सीएसआर कार्यों को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठक, कलेक्टर ने उद्योगों से सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया

दिलीप पाटीदार

धार पीथमपुर के निर्यात भवन में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित हुई, जिसमें कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत किए जा रहे तथा आगामी कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में एमपीआईडीसी के कार्यपालिक निदेशक हिमांशु प्रजापति भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि सीएसआर कार्यों के चयन में जिले की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप प्राथमिकताएं तय करना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कई योजनाएँ सरकारी मद से भी संचालित होती हैं, इसलिए उद्योगों और प्रशासन के बीच समन्वय आवश्यक है ताकि कार्यों में ओवरलैपिंग न हो। उन्होंने उद्योग प्रतिनिधियों से सुझाव साझा करने और आवश्यकतानुसार संयुक्त रूप से कार्य करने का आग्रह किया। बैठक में विभिन्न कंपनियों द्वारा किए गए उल्लेखनीय सीएसआर कार्यों की सराहना की गई। कलेक्टर ने वेकमेट द्वारा दिगठन क्षेत्र के लिए दी गई एम्बुलेंस तथा महिन्द्रा द्वारा आईटीआई में स्थापित ईवी लैब को उत्कृष्ट पहल बताया। ब्रिजस्टोन,लुपिन, सिप्ला और अन्य कंपनियों की ओर से शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को भी प्रशंसनीय बताया गया।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में पर्यावरण सुधार को लेकर उद्योगों की सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने फायर सेफ्टी को क्षेत्र की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताते हुए कहा कि उद्योगों को आगजनी से बचाव के लिए विशेष तैयारी करनी चाहिए। बैठक में सीएसआर के तहत संभावित कार्यों पर भी चर्चा हुई जिनमें अस्पताल वार्डों का उन्नयन, बगड़ून तालाब का सौंदर्यीकरण, मिनी स्टेडियम निर्माण तथा फुटबॉल और बैडमिंटन सुविधाओं का विस्तार शामिल हैं। शिक्षा के क्षेत्र में स्मार्ट क्लास, ग्रामीण परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने तथा कौशल विकास के लिए आईटीआई में सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार हुआ। सागोर स्कूल में प्रतिभा सिंटैक्स द्वारा संचालित ड्रेस डिजाइनिंग और कंप्यूटर कोर्स को भी एक सफल पहल के रूप में प्रस्तुत किया गया। कलेक्टर ने बैठक में सुझाव दिया कि पीथमपुर में वार्षिक खेल आयोजन प्रारंभ किया जा सकता है, जिससे स्थानीय युवाओं को मंच मिलेगा और खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, मेडिकल नीट (NEET) सहित अन्य प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफल आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा को उद्योगों द्वारा प्रायोजित करने को कहा गया। कलेक्टर ने कहा कि यह पहल प्रतिभाशाली युवाओं के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बैठक के दौरान उद्योग प्रतिनिधियों ने जिले के सर्वांगीण विकास में सहयोग जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य, पर्यावरण और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में उद्योगों की संयुक्त पहल धार,पीथमपुर को एक उदाहरणीय औद्योगिक क्षेत्र के रूप में स्थापित कर सकती है।